|| जय सियाराम ||

|| श्रीहनुमान चालीसा ||

राम-प्रतिष्ठा

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि

हनुमान चालीसा अभियान

RamPratishtha.com

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि

हनुमान चालीसा अभियान

|| जय सियाराम ||

।। श्रीहनुमान चालीसा ।।

श्रीगुरु चरन सरोज रज निज मनु मुकुरु सुधारि ।
बरनउँ रघुबर बिमल जसु जो दायकु फल चारि ।।

बुद्धिहीन तनु जानिके सुमिरौं पवन-कुमार ।
बल बुधि बिद्या देहु मोहिं हरहु कलेस बिकार ।।

RamPratishtha.com

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि

हनुमान चालीसा अभियान

राम-प्रतिष्ठा

|| जय सियाराम ||

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर ।
जय कपीस तिहुँ लोक उजागर ।।
राम दूत अतुलित बल धामा ।
अंजनि-पुत्र पवनसुत नामा ।।

RamPratishtha.com

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि

हनुमान चालीसा अभियान

राम-प्रतिष्ठा

|| जय सियाराम ||

महाबीर बिक्रम बजरंगी ।
कुमति निवार सुमति के संगी ।।
कंचन बरन बिराज सुबेसा ।
कानन कुंडल कुंचित केसा ।।

RamPratishtha.com

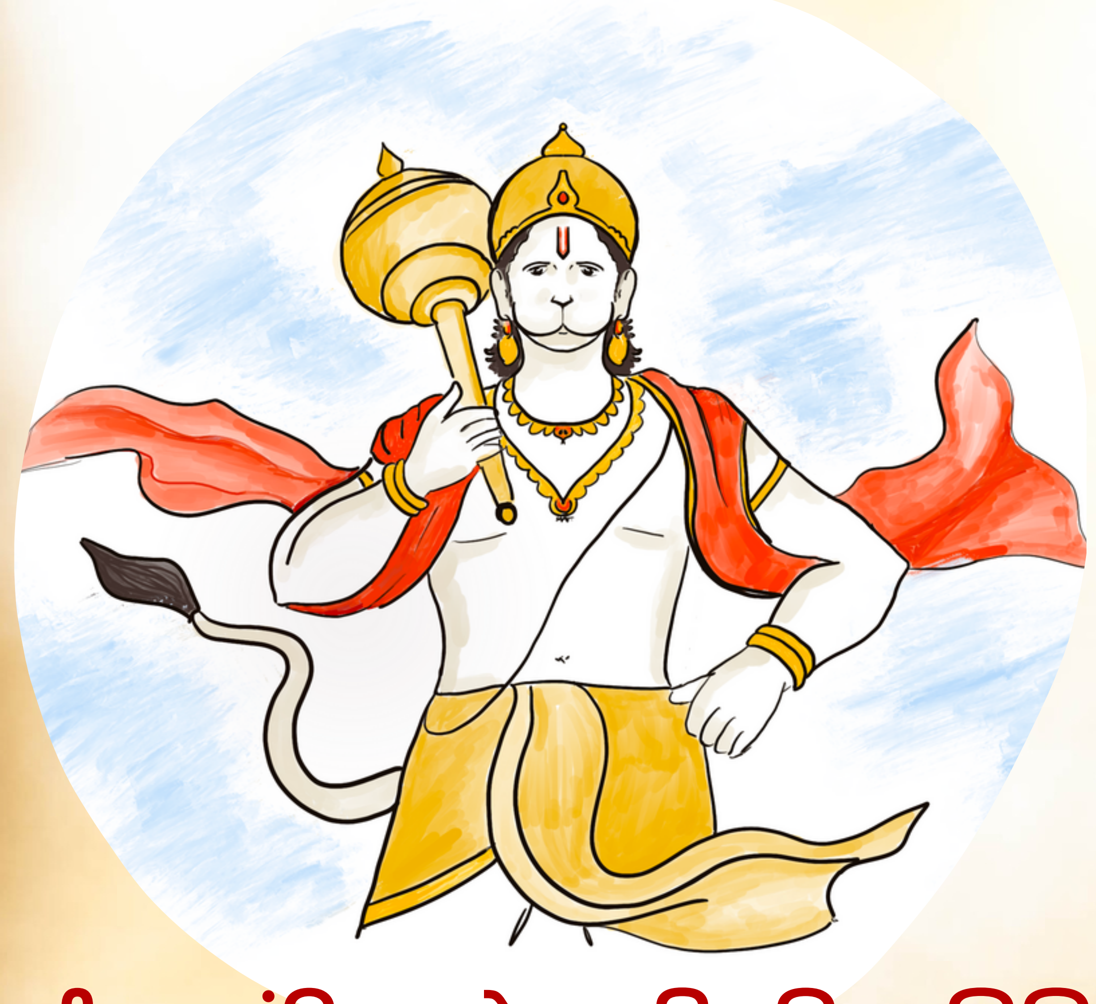

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि

हनुमान चालीसा अभियान

राम-प्रतिष्ठा

|| जय सियाराम ||

हाथ बज्र औ ध्वजा बिराजै ।
काँधे मूँज जनेऊ साजै ।।
संकर सुवन केसरीनंदन ।
तेज प्रताप महा जग बंदन ।।

RamPratishtha.com

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि

हनुमान चालीसा अभियान

राम-प्रतिष्ठा

|| जय सियाराम ||

बिद्यावान गुनी अति चातुर ।
राम काज करिबे को आतुर ।।
प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया ।
राम लखन सीता मन बसिया ।।

RamPratishtha.com

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि

हनुमान चालीसा अभियान

राम-प्रतिष्ठा

|| जय सियाराम ||

सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा ।
बिकट रूप धरि लंक जरावा ।।
भीम रूप धरि असुर सँहारे ।
रामचंद्र के काज सँवारे ।।

RamPratishtha.com

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि

हनुमान चालीसा अभियान

राम-प्रतिष्ठा

|| जय सियाराम ||

लाय सजीवन लखन जियाये ।
श्रीरघुबीर हरषि उर लाये ।।
रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई ।
तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई ।।

RamPratishtha.com

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि

हनुमान चालीसा अभियान

राम-प्रतिष्ठा

|| जय सियाराम ||

सहस बदन तुम्हरो जस गावैं ।
अस कहि श्रीपति कंठ लगावैं ।।
सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा ।
नारद सारद सहित अहीसा ।।

RamPratishtha.com

|| जय सियाराम ||

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि

हनुमान चालीसा अभियान

राम-प्रतिष्ठा

जम कुबेर दिगपाल जहाँ ते ।
कबि कोबिद कहि सके कहाँ ते ।।
तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा ।
राम मिलाय राज पद दीन्हा ।।

RamPratishtha.com

|| जय सियाराम ||

तुम्हरो मंत्र बिभीषन माना ।
लंकेस्वर भए सब जग जाना ।।
जुग सहस्र जोजन पर भानू ।
लील्यो ताहि मधुर फल जानू ।।

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि

हनुमान चालीसा अभियान

राम-प्रतिष्ठा

RamPratishtha.com

|| जय सियाराम ||

प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं ।
जलधि लाँघि गये अचरज नाहीं ।।
दुर्गम काज जगत के जेते ।
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते ।।

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि

हनुमान चालीसा अभियान

राम-प्रतिष्ठा

RamPratishtha.com

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि
हनुमान चालीसा अभियान

राम-प्रतिष्ठा

|| जय सियाराम ||

राम दुआरे तुम रखवारे ।
होत न आज्ञा बिनु पैसारे ।।
सब सुख लहै तुम्हारी सरना ।
तुम रच्छक काहू को डर ना ।।

RamPratishtha.com

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि

हनुमान चालीसा अभियान

राम-प्रतिष्ठा

|| जय सियाराम ||

आपन तेज सम्हारो आपै ।
तीनों लोक हाँक तें काँपै ।।
भूत पिसाच निकट नहिं आवै ।
महाबीर जब नाम सुनावै ।।

RamPratishtha.com

|| जय सियाराम ||

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि

हनुमान चालीसा अभियान

राम-प्रतिष्ठा

नासै रोग हरै सब पीरा ।
जपत निरंतर हनुमत बीरा ।।
संकट तें हनुमान छुड़ावै ।
मन क्रम बचन ध्यान जो लावै ।।

RamPratishtha.com

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि

हनुमान चालीसा अभियान

राम-प्रतिष्ठा

|| जय सियाराम ||

सब पर राम तपस्वी राजा ।
तिन के काज सकल तुम साजा ।।
और मनोरथ जो कोइ लावै ।
सोइ अमित जीवन फल पावै ।।

RamPratishtha.com

|| जय सियाराम ||

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि

हनुमान चालीसा अभियान

राम-प्रतिष्ठा

चारों जुग परताप तुम्हारा ।
है परसिद्ध जगत उजियारा ।।
साधु संत के तुम रखवारे ।
असुर निकंदन राम दुलारे ।।

RamPratishtha.com

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि

हनुमान चालीसा अभियान

राम-प्रतिष्ठा

|| जय सियाराम ||

अष्ट सिद्धि नौ निधि के दाता ।
अस बर दीन जानकी माता ।।
राम रसायन तुम्हरे पासा ।
सदा रहो रघुपति के दासा ।।

RamPratishtha.com

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि

हनुमान चालीसा अभियान

राम-प्रतिष्ठा

|| जय सियाराम ||

तुम्हरे भजन राम को पावै ।
जनम जनम के दुख बिसरावै ।।
अंत काल रघुबर पुर जाई ।
जहाँ जन्म हरि-भक्त कहाई ।।

RamPratishtha.com

|| जय सियाराम ||

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि

हनुमान चालीसा अभियान

राम-प्रतिष्ठा

और देवता चित्त न धरई ।
हनुमत सेइ सर्ब सुख करई ।।
संकट कटै मिटै सब पीरा ।
जो सुमिरै हनुमत बलबीरा ।।

RamPratishtha.com

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि

हनुमान चालीसा अभियान

राम-प्रतिष्ठा

|| जय सियाराम ||

जै जै जै हनुमान गोसाईं ।
कृपा करहु गुरु देव की नाईं ।।
जो सत बार पाठ कर कोई ।
छूटहि बंदि महा सुख होई ।।

RamPratishtha.com

|| जय सियाराम ||

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि

हनुमान चालीसा अभियान

राम-प्रतिष्ठा

जो यह पढ़ै हनुमान चलीसा ।
होय सिद्धि साखी गौरीसा ।।
तुलसीदास सदा हरि चेरा ।
कीजै नाथ हृदय महँ डेरा ।।

RamPratishtha.com

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि
हनुमान चालीसा अभियान

राम-प्रतिष्ठा

|| जय सियाराम ||

पवनतनय संकट हरन
मंगल मूरति रूप ।
राम लखन सीता सहित
हृदय बसहु सुर भूप ।।

।। सियावर रामचन्द्र की जय ।।

।। इति ।।

RamPratishtha.com

|| जय सियाराम ||

श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठा निमित्त

सम्पूर्ण जगत में रामभक्ति चेतना का संचार करने हेतु

शतकोटि

हनुमान चालीसा अभियान

RamPratishtha.com